MSW-007
MSW-008
MSW-009
MSW-017
MSWE-001
MSWE-002
MSWE-003
MSWE-007
MSW-010

समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. द्वितीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2019–2020

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–007	:	वैयक्तिक कार्य एवं परामर्शः व्यक्तियों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–008	:	सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–009	:	सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
एम.एस.डब्ल्यू.–017	:	समाज कार्य के समकालीन तरीके और मूल्य
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–001	:	एचआईवी/एड्स : कलंक, भेदभाव और रोकथाम
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–002	:	महिला और बाल विकास
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–003	:	आपदा प्रबंधन
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–07	:	अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य
एम.एस.डब्ल्यू.–10	:	परोपकारी समाज कार्य का परिचय

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः
जनवरी, 2010 सत्र – सितम्बर, 2019
जुलाई, 2019 सत्र – मार्च 31, 2020
जनवरी, 2020 सत्र – सितम्बर, 2020

नोट : कृपया उन पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य लिखें जिन्हें आपने चुना है।

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय
समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें। एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के एम.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. सौम्या
(कार्यक्रम समन्वयक : एम.एस.डब्ल्यू)

वैयक्तिक कार्य एवं परामर्शः व्यक्तियों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–007
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारत में सामाजिक वैयेक्तिक कार्य अभ्यास की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

सामाजिक वैयक्तिक कार्य में विभिन्न हस्तक्षेप विधियों पर चर्चा करें। 20

2) परामर्श में सहायक तकनीकों को सूचीबद्ध करें। 20

अथवा

परामर्श में मुख्य कौशलों की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) ऐसे कौन से आयाम में जिनमें समस्या उत्पन्न हो सकती है? 10

ख) वैयक्तिक कार्य साक्षात्कार में आवश्यक कौशलों की पहचान करें। 10

ग) परामर्श में प्रारंभिक चरण की प्रासंगिका क्या है? 10

घ) प्रभावी वैयक्तिक कार्य रिकार्डिंग के शिक्षा निर्देशों को सूचीबद्ध करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) वैयक्तिक कार्य प्रक्रिया में व्यक्ति की विशेषताएं क्या है? 5

ख) केस वर्कर के नैतिक दायित्वों का उल्लेख करें। 5

ग) यथार्थ उपचार क्या है? 5

घ) समाज कार्य पेशे में परामर्श के दायरे की व्याख्या करें। 5

ङ) विशिष्ट लक्ष्यों को स्थापित करने के महत्व का विश्लेषण करें। 5

च) चिंतनशील तकनीकों की उदाहरणों के साथ व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) ग्राहक की समस्या के लक्षण 4

ख) तंत्र से मुकाबला (Coping Mechanisms) 4

ग) पर्यवेक्षण में नैतिक दुविधाएं 4

घ) चिकित्सीय साक्षात्कार 4

ङ) परामर्श की आवश्यकता 4

च) लेन–देन विश्लेषण 4

छ) प्रभावी संचार के सिद्धांत 4

ज) प्रक्रिया रिकार्डिंग 4

सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–008
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) स्वतंत्रता–पूर्व भारत में समूह कार्य के विकास पर चर्चा करें। 20

अथवा

सामाजिक समूह कार्य में विभिन्न मॉडलों का वर्णन करें। 20

2) सामाजिक समूह कार्य के लिए आवश्यक कौशलों की व्याख्या करें। 20

अथवा

स्वयं सहायता समूह बनाने की प्रक्रिया की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) समूह विकास प्रक्रिया में मूल्यांकन चरण की विशेषताओं पर प्रकाश डालें। 10

ख) विभिन्न नेतृत्व सिद्धांतों का संक्षेप में वर्णन करें। 10

ग) नियोजित समूह गठन के लिए आवश्यक लॉजिस्टिक कारकों की व्याख्या करें। 10

घ) सामाजिक क्रिया समूहों के लिए विभिन्न चरणों पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) सामाजिक वैयक्तिक कार्य और सामाजिक समूह कार्य के केंद्र–बिंदु के बीच भेद करें। 5

ख) सामाजिक समूह कार्य के मूल मूल्य क्या हैं? 5

ग) जीवन कौशल शिक्षा की आवश्यकता का वर्णन करें। 5

घ) व्यक्तिगत सदस्यों के साथ पूर्व–समूह संपर्कों के उद्देश्य पर प्रकाश डालें। 5

ङ) भावनात्मक बुद्धि के घटकों का उल्लेख करें। 5

च) बाल कल्याण एजेंसियों में समूह कार्य के उद्देश्य क्या है? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) नशा मुक्ति केंद्रों में समूह कार्य 4

ख) समूह कार्य के लाभ 4

ग) प्रजातांत्रिक समूह स्व–निर्धारण का सिद्धांत 4

घ) समूह गठन को प्रभावित करने वाले कारक 4

ङ) सामाजिक समूह कार्य में रिकार्डिंग 4

च) जीवन शिक्षा कौशल में समूह कार्यकर्ता की भूमिका 4

छ) शराबी बेनामी (Alcoholic Anonymous) 4

ज) मनोरोग परिवेश में समूह कार्य 4

सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–009
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) समाज कल्याण प्रशासन के कार्यक्षेत्र पर प्रकाश डालें। 20

अथवा

ग्रामीण, आदिवासी और शहरी क्षेत्रों में सामुदायिक विकास कार्यक्रमों का वर्णन करें। 20

2) समुदाय संगठन के सिद्धांतों की संक्षेप में व्याख्या करें। 20

अथवा

एकीकृत सामाजिक क्रिया दृष्टिकोण में वर्णित हस्तक्षेप के आठ चरणों को सूचीबद्ध करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) 'समाज कल्याण प्रशासन एक पेशा है।' टिप्पणी करें। 10

ख) एक समुदाय के समाज कार्य अभ्यासकर्ता की समझ के दृष्टिकोण पर चर्चा करें। 10

ग) समुदाय संगठन के कदमों का उल्लेख करें। 10

घ) सामजिक क्रिया के विभिन्न मॉडलों की मुख्य विशेषताएं प्रस्तुत करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) किसी विशेष गंदी बस्ती (slum) के ऐतिहासिक विकास का पता करते हुए इसकी विशिष्ट विशेषताओं पर चर्चा करें। 5

ख) समुदाय संगठन और समुदाय विकास के बीच अंतर करें। 5

ग) समुदाय कार्य में आवश्यक कौशलों का वर्णन करें। 5

घ) शहरी समुदाय की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालें। 5

ङ) समुदाय कार्य से संबंधित सामाजिक क्रिया का विश्लेषण करें। 5

च) समाज कल्याण प्रशासन के सिद्धांतों को सूचीबद्ध करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) विमुक्त जनजातियां (De-notified) 4

ख) एक आदिवासी अर्थव्यवस्था की विशेषताएं 4

ग) समुदाय आयोजक की विशेषताएं 4

घ) समुदाय कार्य का अंतर–सामुदायिक मॉडल 4

ङ) सामाजिक क्रिया के मूल्य और नैतिकता। 4

च) सामाजिक क्रिया में रणनीतियां और कार्यनीतियां 4

छ) संघर्ष संकल्प 4

ज) सामाजिक लेखा–परीक्षण 4

समाज कार्य के समकालीन तरीके और मूल्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.–017
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) संसाधन जुटाने के सिद्धांतों पर उदाहरणों के साथ चर्चा करें। 20

अथवा

समाज कार्य के एक मूल्य के रूप में अखंण्डता पर एक निबंध लिखें। 20

2) पेशेवर द्वारा ग्राहकों को सम्मान और मूल्य व्यक्त करने के कुछ संभावित तरीकों की जांच करें। 20

अथवा

शिक्षक की परिभाषा दें। समाज कार्य के मूल्य के रूप में शिक्षक पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) विभिन्न रणनीतियों और तकनीकों को सूचीबद्ध करें जिनका उपयोग वकालत में किया जा सकता है। 10

ख) सामाजिक समूह कार्य और वकालत के बीच संबंध की व्याख्या करें। 10

ग) जागरूकता अभियान के सिद्धांतों पर चर्चा करें। 10

घ) एक पेशेवर सामाजिक कार्यकर्ता से अपेक्षित जिम्मेदारियों के विभिन्न रूप क्या हैं? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) जनहित याचिका कब दायर की जा सकती है? 5

ख) जागरूकता अभियान के उद्देश्यों को सूचीबद्ध करें। 5

ग) सामाजिक न्याय के सिद्धांत क्या हैं? 5

घ) समाज कार्य पेशे में कड़ी मेहनत की भूमिका पर प्रकाश डालें। 5

ङ) समाज कार्य में पेशे के प्रति वफादारी का पोषण कैसे करेंगे। 5

च) सांस्कृतिक संवेदनशीलता क्या है? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) वकालत 4

ख) संसाधन जुटाना 4

ग) समाज कल्याण प्रशासन और जनहित याचिका 4

घ) समाज कार्य के मूल्य के रूप में पेशे के प्रति वफादारी 4

ङ) नेटवर्किंग और संसाधन जुटाना 4

च) शक्ति आधारित दृष्टिकोण का दर्शन 4

छ) अंध देशभक्ति और रचनात्मक देशभक्ति 4

ज) सांस्कृतिक विनाश 4

एचआईवी/एड्स : कलंक, भेदभाव और रोकथाम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारत में एचआईवी महामारी के सामाजिक और आर्थिक प्रभाव पर चर्चा करें। 20

अथवा

एचआईवी/एड्स के संदर्भ में कलंक ओर भेदभाव को दूर करने के विभिन्न मॉडलों का वर्णन करें। 20

2) एचआईवी/एड्स परामर्श में शामिल विभिन्न चरणों पर चर्चा करें। 20

अथवा

एचआईवी/एड्स की रोकथाम में सूचना, शिक्षा और संचार के महत्व पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) एचआईवी संक्रमण के जोख़िम को बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक–सांस्कृतिक कारकों को पहचानें। 10

ख) PLHAs से संबंधित विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों पर चर्चा करें। 10

ग) उच्च जोखिम समूहों से संबंधित किसी भी तीन रोकथाम रणनीतियों की व्याख्या करें। 10

घ) एचआईवी रोकथाम के लिए सार्वभौमिक मानक सावधानियों पर संक्षिप्त चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) मां से बच्चे को एच आई वी संचरण पर एक संक्षिप्त नोट लिखें। 5

ख) नाको के मुख्य कार्य क्या हैं? 5

ग) एचआईवी और मादक द्रव्यों के सेवन के संबंध पर टिप्पणी करें। 5

घ) एक अच्छे परामर्शदाता की एक विशेषताएं हैं? 5

ङ) यू एन एड्स के वैश्विक मिशन की सूची बनाएं? 5

च) महिलाओं को एचआईवी/एड्स के प्रति अधिक संवेदनशील क्यों माना जाता है? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) सूचित सहमति 4

ख) एचआईवी और एसटीआई लिंकेज 4

ग) खिड़की अवधि 4

घ) एलिसा जांच 4

ङ) स्वास्थ्य विश्वास मॉडल 4

च) परानुभूमि 4

छ) प्रवासन 4

ज) नुकसान में कमी 4

महिला और बाल विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–002
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) प्रारंभिक भारत में महिलाओं की स्थिति का विश्लेषण करें। 20

अथवा

अनौपचारिक क्षेत्र में महिला श्रमिकों की समस्याओं पर चर्चा करें। 20

2) महिलाओं पर 'समानता, विकास और शांति' के आदर्शों को उजागर करने वाले चार संयुक्त राष्ट्र विश्व सम्मेलन का वर्णन करें। 20

अथवा

महिलाओं के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों और कानूनों की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में बच्चों की स्थिति के बारे में बताएं। 10

ख) लड़कियों के विकास के लिए नीतियों और कार्यक्रमों पर चर्चा करें। 10

ग) गंभीर परिस्थितियों में बच्चों द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों का विश्लेषण करें। 10

घ) सहकर्मी दबाव, पारस्परिक संबंधों और किशोरावस्था के समाजीकरण के प्रभाव पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सिफारिशों और सुझावों पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

ख) भारत में बाल अधिकारों को सुनिश्चित करने वाले कार्यक्रमों की संक्षिप्त व्याख्या करें। 5

ग) बदलते संदर्भ में परिवार की अवधारणा और इसके उभरते हुए रूझान का वर्णन करें। 5

घ) पालन–पोषण शैली से आप क्या समझते हैं? 5

ङ) क्या आपको लगता है कि कुछ बच्चों को विशेष देखभाल की आवश्यकता है? चर्चा करें। 5

च) आवासीय देखभाल में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका पर टिप्पणी करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) लिंग 4

ख) महिलाएं और गरीबी 4

ग) महिलाओं के खिलाफ हिंसा 4

घ) मताधिकार 4

ङ) लिंग भूमिकाएं 4

च) लिंग और विकास 4

छ) यूनिसेफ 4

ज) बच्चों के लिए कानून 4

आपदा प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–003
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारत में आपदा प्रबंधन प्रणाली के विकास का वर्णन करें। 20

अथवा

पूर्व और आपदा–बाद के परिदृश्य में लिंग को मुख्यधारा में लाने के विभिन्न उपायों पर चर्चा करें। 20

2) समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन के घटक का वर्णन करें। 20

अथवा

भारत में बाढ़ समस्याओं के बारे में चर्चा करें। बाढ़ आपदाओं के जोख़िम को कैसे कम किया जा सकता है? 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तरों पर आपदाओं के प्रबंधन के लिए संगठनों की पहचान करें। 10

ख) मानव–निर्मित आपदाओं की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या करें। 10

ग) संरचनात्मक और गैर–संरचनात्मक शमन के बीच अंतर करें। 10

घ) भारत में राहत के तरीके जो विभिन्न साधनों के साथ उपलब्ध हैं, उन पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) संवेदनशीलता के विभिन्न प्रकार क्या हैं? 5

ख) महिलाओं को आपदाओं के लिए अधिक संवेदनशील क्यों माना जाता है? 5

ग) महामारी को रोकने के लिए GIS कैसे मदद करता है? 5

घ) पूर्वानुमान और चेतावनी में क्या अंतर है? 5

ङ) आपदा में प्रभावित जनसंख्या का आप कैसे आंकलन करेंगे? 5

च) IMD द्वारा प्रदान की जाने वाली चार चरण चक्रवात चेतावनी क्या है? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) आपदा क्रंच मॉडल 4

ख) खतरा मूल्यांकन 4

ग) अस्पताल आपदा प्रबंधन योजना 4

घ) घटना कमांड प्रणाली 4

ङ) आपदा वसूली योजना 4

च) आपदा प्रबंधन चक्र 4

छ) मनो–सामाजिक समर्थन 4

ज) आपदा मानसिक स्वास्थ्य 4

अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–007
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) अंतरराष्ट्रीय समाज कार्य की अवधारणा और इसके विभिन्न परिप्रेक्ष्यों पर चर्चा करें। 20

अथवा

समाज कार्य शिक्षा के उद्‌भव और विकास के आसपास प्रमुख बहस का वर्णन करें। 20

2) यूरोप में समाज कार्य पेशे के उद्‌भव की संक्षेप में व्याख्या करें। 20

अथवा

मध्य–पूर्व के देशों में समाज कार्य पेशे की विशेषताओं पर प्रकाश डालें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) अंतर्राष्ट्रीय विकास और राहत में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका पर प्रकाश डालें। 10

ख) सांस्कृतिक क्षमता को विकसित करने के लिए जो परिवर्तन हुए हैं, उन्हें सूचीबद्ध करें। 10

ग) पूर्व एशिया में समाज कार्य अनुशासन के उद्‌भव और विकास की व्याख्या करें। 10

घ) दक्षिण अफ्रीका में समाज कार्य अभ्यास के उद्‌भव पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) समाज कार्य के स्वदेशीकरण से आप क्या समझते हैं? 5

ख) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्यों के लक्ष्यों को सूचीबद्ध करें। 5

ग) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य शिक्षा की आवश्यकता की व्याख्या करें। 5

घ) दक्षिण पूर्व एशिया में सामाजिक कार्यकर्ताओं के पेशेवर संघों को सूचीबद्ध करें। 5

ङ) एशिया में समाज कार्य हस्तक्षेप में प्रमुख मुद्दे क्या हैं? 5

च) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य और समाज कार्य शिक्षा के आंतरिकीकरण के बीच भेद करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) रेड क्रास और रेड क्रिसेंट आंदोलन (ICRC) 4

ख) इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्कूल्स ऑफ सोशल वर्क 4

ग) संस्कृति के कार्य 4

घ) समाज कार्य का स्वेदशीकरण 4

ङ) न्यूजीलैंड एसोसिएशन ऑफ सोशल वर्क्कर्स 4

च) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य के मानक 4

छ) पूंजीवाद और उपनिवेशवाद 4

ज) विश्व स्वास्थ्य संगठन 4

परोपकारी समाज कार्य का परिचय
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.–010
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. परोपकार से आप क्या समझते हैं? आधुनिक दुनिया में परोपकार के दायरे पर चर्चा करें। 20

अथवा

परोपकारी समाज कार्य को परिभाषित करें। परोपकारी समाज कार्य के तरीकों पर प्रकाश डालें। 20

2. लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था और सामाजिक व्यवस्था को स्थापित करने में नागरिक समाज की भूमिका पर चर्चा करें। 20

अथवा

परोपकारी स्वास्थ्य देखभाल नैतिकता के सिद्धांतों की गणना करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

i) गैर–सरकारी संगठनों के उद्‌भव और विकास की व्याख्या करें। 10
ii) भारत में सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए नैतिक कोड को सूचीबद्ध करें। 10
iii) कल्याणकारी राज्य के रूप में सरकार की भूमिका पर चर्चा करें। 10
iv) कॉरपोरेट सेक्टर को सामाजिक विकास की हिस्सेदारी क्यों लेनी चाहिए? 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

i) दाता एजेंसी क्या है? 5
ii) परोपकारी समाज कार्य वित्तीय संसाधनों के विभिन्न स्रोतों की व्याख्या करें। 5
iii) मानवाधिकार से आप क्या समझते हैं? 5
iv) इस्लाम में परोपकार की व्याख्या करें। 5
v) विभिन्न प्रकार के गैर–सरकारी संगठनों को सूचीबद्ध करें। 5
vi) एक परोपकारी संगठन के लिए पंजीकरण के लाभों का उल्लेख करें।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

i) मदर टेरेसा का परोपकार 4
ii) संसाधन कुप्रबंधन 4
iii) अनुदान संचयन 4
iv) भागीदार का अर्थ 4
v) परोपकार और इसाई धर्म 4
vi) परोपकार और समाज कार्य के बीच संबंध 4
vii) कॉरपोरेट परोपकार 4
viii) NASW आचार संहिता 4